- अधिनियम बनाने के लिए जनता द्वारा स्वयं आक्रमण किया जाना। initiative and referendum
- उपक्रमण पुं. (तत्.) 1. उपक्रम करना, आरंभ करना 2. तैयारी करना, योजना बनाना 3. पास आना।
- उपक्रमणिका स्त्री. (तत्.) 1. विषयसूची 2. प्रस्तावना।
- उपक्रमी वि. (तत्.) उपक्रम करने वाला।
- उपक्षय पुं. (तत्.) क्रमिक हास, क्रमशः होने वाली कमी या अवनति।
- उपक्षेत्र पुं. (तत्.) बड़े क्षेत्र का एक भाग।
- उपक्षेप पुं. (तत्.) 1. किसी के सामने कोई वस्तु फॅकना या रखना 2. आक्षेप 3. संकेत 4. नाटक के आरंभ में कथावस्तु का संक्षिप्त वर्णन।
- उपखंड पुं. (तत्.) 1. प्रशा. प्रशासन को सुचार रूप से चलाए जाने के लिए बनाई गई इकाई जो जिले का भाग होती है sub-division 2. विधि. किसी नियम या अधिनियम आदि के खंड clause का उपविभाग। sub-clause
- उपखंड अधिकारी पुं. (तत्.) प्रशा. उपखंड का प्रशासन अधिकारी, उप-प्रभागीय अधिकारी। sub-divisional officer
- उपखनिज पुं. (तत्.) किसी भूखंड या शैल में पाए जाने वाले मुख्य खनिज के अतिरिक्त अन्य गौण खनिज।
- उपगत वि. (तत्.) 1. ज्ञात, प्राप्त, स्वीकार 2. विधि. दायित्व, हानि आदि की बावत दिया गया भुगतान (इकाई)।
- उपगत होना अ.क्रि. (तत्.) दायित्व, हानि आदि भुगतना और सहना, पदावनत।
- उपगम *पुं.* (तत्.) 1. पास जाना 2. जानना, प्राप्ति 3. वचन, वादा, अंगीकार करना।
- उपगीति स्त्री. (तत्.) आर्या छंद का एक भेद।

- उपगूहन पुं. (तत्.) 1. छिपाना, गोपन 2. आलिंगन 3. अनोखी घटना का घटित होना।
- उपग्रह पुं. (तत्.) 1. औ./खगो. ग्रह की परिक्रमा करने वाला प्राकृतिक लघु ग्रह या पिंड या मानव-निर्मित कृत्रिम ग्रह या पिंड, जैसे- चंद्रमा (प्राकृतिक) या मानव निर्मित अंतरिक्षयान satellite अंतरिक्ष में रॉकेट द्वारा भेजे गए 'स्पूतनिक', जब ये पृथ्वी के गिर्द चक्कर लगाते हैं, तो इन्हें भू-उपग्रह या कृत्रिम उपग्रह कहते हैं 2. गिरफ्तारी, कैद 3. पराजय 3. समर्पण-संधि।
- उपघात *पुं.* (तत्.) 1. आघात, धक्का 2. नाश 3. आक्रमण 4. रोग 5. पाप।
- उपघातक वि. (तद्.) घात करने वाला, आक्रमण करने वाला, कष्ट देने वाला (रोग आदि)।
- उपघाती वि. (तत्.) दे. उपघातक।
- उपचय वि. (तत्.) 1. इकट्ठा होना, संचय करना 2. चयन 3. उन्नित, समृद्धि 3. अर्थ. कर, किराया, ब्याज आदि प्रत्याशित मदों की देय अथवा प्राप्य राशि। accrual
- उपचयी वि. (तत्.) 1. उपचय से संबंधित 2. उपचय का 3. उपचयवाला। anabolic
- उपचर्या स्त्री. (तत्.) 1. उपचार, इलाज 2. सेवा।
- उपचायी वि. (तत्.) उपचय करने वाला, वृद्धि करने वाला।
- उपचार पुं. (तत्.) 1. रोगी को रोगमुक्त करने के लिए की जाने वाली नियमित प्रक्रिया, इलाज, चिकित्सा 2. रोगी की सेवा-सुश्रूषा 3. स्वागत सत्कार के लिए विहित नियमों का पालन 4. पूजा-अर्चना के अंग या विधान 5. उपाय 6. औषिध।
- उपचारक वि. (तत्.) उपचार करने वाला, इलाज करने वाला, सेवा करने वाला।
- उपचारच्छल पुं. (तत्.) न्याय. किसी कही हुई बात को तोड़ मरोड़कर अनुचित अर्थ स्थापित करके दोष निकालने का प्रयत्न।